Volume-5, Issue-11, November - 2016 • ISSN No 2277 - 8160 IF : 3.62 | IC Value 70.36

Original Research Paper Political Science

हरियाणा विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी – एक समीक्षात्मक अध्ययन

डा. पवनवीर

विस्तारक व्याख्याताए राजनीति विज्ञान विभागए राजकीय महिला महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)

ABSTRACT

जहां तक प्रदेश एवं प्रांतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी का प्रश्न है। इसमें भी महिलाओं की स्थिति औसतन कम ही है। वर्तमान लेख में हम एक प्रदेश विशेष के रूप में हरियाणा प्रांत में विशेषकर विधानसभा में महिलाओं की स्थिति एवं उनकी राजनीतिक भागीदारी की चर्चा कर रहे हैं। हरियाणा प्रदेश जहां प्रारंभ से ही पुरूष प्रधान रहा है। इसमें महिलाओं को राजनीति में स्थान तो मिला परन्तु बहुत प्रयासों के पश्चात आज हरियाणा अपनी स्थिति में सुधार के प्रयास कर रहा है।

KEYWORDS : हरियाणा, विधान सभा, महिला सशक्तिकरण,

भूमिका

महिलाओं की राजनीतिक स्थिति के संबंध में यदि आंकड़ों की व्यूह रचना को छोड़ दे तो हमें यह आभास होता है कि प्राचीन समय से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है चाहे विश्व का कोई भी देश कितना भी विकसित क्यों न हो। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को लेकर सभी देश एक ही स्तर पर नजर आते हैं। यही स्थिति भारत और पड़ोसी देशों की भी है। जो अन्य क्षेत्रों में जहां तेजी से विकास कर रहे हैं। वही महिला सशक्तिकरण एवं राजनीतिकरण में पिछड़े हुए नजर आते हैं और भारत तो अपने पड़ोसी देशों की बजाय राजनीतिक में महिलाओं की भागीदारी को लेकर पिछड़ा हुआ ही नजर आता है।

1 नवम्बर 1966 को पंजाब प्रांत से अलग होने के बाद प्रथम विधान सभा चुनाव 1967 में हुए। हरियाणा प्रदेश के अब तक की 12 विधान सभा चुनावों में महिला उम्मीदवारों व निर्वाचित महिला विधायकों की स्थिति का दलीय आधार पर संक्षिप्त विवरण निम्न तालिका में स्पष्ट है :–

नौवीं विधान सभा चुनाव 2000

राजनीतिक दल विधायक	महिला उम्मीदवार	निर्वाचित महिला
ई0 ने0 कांग्रेस	10	1
भाजपा	3	2
इनेलो	4	1
निर्दलीय व अन्य	28	–
	कुल 45	4

दसवीं विधान सभा चुनाव 2005

राजनीतिक दल विधायक	महिला उम्मीदवार	निर्वाचित महिला
ई0 ने0 कांग्रेस	12	11
इनेलो	9	1
निर्दलीय व अन्य	28	1
	कुल 49	13

ग्यारहवीं विधान सभा चुनाव 2009

राजनीतिक दल विधायक	महिला उम्मीदवार	निर्वाचित महिला
कांग्रेस	–	7
भाजपा	–	1
अन्य	–	1
	कुल	9

बारहवीं विधान सभा चुनाव 2014

राजनीतिक दल विधायक	महिला उम्मीदवार	निर्वाचित महिला
कांग्रेस	–	5
भाजपा	–	8
	कुल	13

पहले विधान सभा चुनाव में महिला प्रतिनिधि

पंजाब प्रांत से अलग होने के पश्चात यह हरियाणा प्रदेश का अपना पहला आम चुनाव था जिसमें महिला उम्मीदवारों की भागीदारी कम ही रही तथा केवल 4 महिला उम्मीदवार ही विधान सभा तक पहुंच सकी और ये चारों महिला उम्मीदवार कांग्रेस पार्टी से थी जिसमें सशक्त छवि वाली श्रीमती ओमप्रभा जैन जो कैथल से चुनी गई थी, उन्होंने न केवल जीत दर्ज की बल्कि वित्तमंत्री जैसा महत्वपूर्ण पद भी प्राप्त किया।

दूसरे विधान सभा चुनाव 1968

1968 के हरियाणा विधान सभा चुनाव में महिलाओं की संख्या बढ़कर 7 हो गई जिसमें से 5 महिला सदस्य कांग्रेस पार्टी व 2 विशाल हरियाणा पार्टी से थी।

तीसरे विधान सभा चुनाव 1972

1972 के विधान सभा चुनाव में भी महिला उम्मीदवरों की संख्या 5 तक ही सीमित रह गई जिसमें ओम प्रभा जैन, शारदा रानी, कवंरा व करनाल से बहन शांति देवी शामिल थी।

चौथे विधान सभा चुनाव 1977

1977 के विधान सभा चुनाव में केवल 4 महिला उम्मीदवार ही विधायक बन पाई जो जनता पार्टी से चुनकर आई थी।

पांचवें विधान सभा चुनाव 1982

1982 के विधान सभा चुनाव में जहां 4 महिलाएं कांग्रेस पार्टी से व 2 महिला उम्मीदवार लोकदल से तथा 1 स्थान निर्दलीय महिला उम्मीदवार को प्राप्त हुआ।

छठी विधान सभा चुनाव 1987

1987 के विधान सभा चुनाव में जहां महिला उम्मीदवरों की संख्या 5 थी वहीं भाजपा पार्टी को पहली बार 2 स्थान महिला विधायकों के रूप में मिले थे।

सातवें विधान सभा चुनाव 1991

1991 के विधान में महिला विधायकों की संख्या में थोड़ा सुधार हुआ और इनकी संख्या बढ़कर 6 हो गई जिसमें आधी महिला उम्मीदवार अब भी कांग्रेस पार्टी से चुनकर आई थी।

आठवें व नौवें विधान सभा चुनाव क्रमशः 1996 व 2000

इन विधान सभा चुनावों में क्रमशः 4–4 महिला उम्मीदवार चुनकर आई।

दसवें विधान सभा चुनाव 2005

2005 के विधान सभा चुनाव में हरियाणा के इतिहास में सारे रिकार्ड तोड़ते हुए अब तक हुए चुनावों की सर्वाधिक महिलाओं की संख्या का आंकड़ा पार करते हुए 13 पर पहुंच गई। 13 महिला उम्मीदवार चुनकर विधान सभा पहुंची जिसमें 11 उम्मीदवार कांग्रेस से, 1 इनेलो से व 1 उम्मीदवार निर्दलीय थी।

ग्यारहवें विधान सभा चुनाव 2009

2009 के विधान सभा चुनाव में यह स्थिति घटकर केवल 9 तक ही सीमित रह गई जिसमें भी कुछ सशक्त महिलाओं को महत्वपूर्ण पद प्रदान किए गए जैसे शिक्षा विभाग झज्जर से गीता भुक्कल को प्रदान किया गया।

बारहवें विधान सभा चुनाव 2014

2014 के विधान सभा चुनाव में भी 2009 की तरह ही कुल 13 महिला उम्मीदवारों को जीत प्राप्त हुई जिसमें से 8 महिला विधायक भाजपा व 5 अन्य पार्टियों से थी जिसमें अटेली से संतोष यादव जिन्हें डिप्टी स्पीकर का वर्तमान पद दिया गया। वहीं सोनीपत से कविता जैन को कैबिनेट मंत्री का पद दिया गया है तथा बड़खल से सीमा पारीख को मुख्य संसदीय सचिव के पद के साथ–साथ अन्य विभाग भी दिए गए हैं।

निष्कर्ष

अब तक के हरियाणा विधान सभा चुनावों के विश्लेषण से हम पाते हैं की 50 वर्षों व 12 विधान सभा चुनावों में अब तक कुल 81 महिला उम्मीदवार ही विधान सभा की चोखट तक पहुंच पाई हैं जिसमें से 10वीं व 12वीं विधान सभाओं में अधिकतम 13–13 सदस्य चुनकर आई थी। जहां तक सवाल महिला विधायकों के औसत का है तो वह शेष भारत से कुछ ठीक कहा जा सकता है। जहां देश के सभी राज्यों में महिला विधायकों का औसत 4 प्रतिशत के लगभग है वहीं हरियाणा का औसत 6.73 से कुछ ऊपर है और इसी कारण आशा भी की जा सकती है कि जिस तरह से हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है यह संख्या और बढ़

सकती है।

संदर्भ ग्रंथ सुची

1 शर्मा श्रीराम – ''हरियाणा का इतिहास'' देश सेवा आश्रम रोहतक
2 लाल मुन्नी,– ''हरियाणा ऑन हाईरोड़ टू प्रोस्पैरीटी
3 मित्तल एस. सी. – ''हरियाणा : ए हीस्टोरीकल परस्पैक्टिव''।
4 डॉक टी. एस. – ''वीमैन एण्ड वर्क इन इण्डियन सोसायटी,''
5 डा. पवन वीर – हरियाणा की राजनीति में महिलाओं की भूमिका : ''शोध ग्रंथ''